राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - हिंदी
पाठ - 32 : विराटा की पद्मिनी
कार्यपत्रक - 32

1. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में लोक जीवन , लोक गीत, लोक भाषा का समर्थ चित्रांकन हुआ है।' इस कथन से आप कितना सहमत हैं? सिद्ध कीजिए।

2. 'कुमुद का चरित्र दिव्य प्रेम और बलिदान की एक मधुरागिनी है।' इस कथन को उदाहरण सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

3. उपन्यास में जीवन के विविध रंग होते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए कि यह उपन्यास लिखते समय समय जीवन के किन-किन पक्षों को उद्घाटित किया गया है?

4. 'विराटा की पद्मिनी' में इतिहास,कल्पना और लोक तत्व का अद्भुत समन्वय हुआ है।' संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. इस उपन्यास के मुख्य संदेश या केन्द्रीय भाव को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

6. 'विराटा की पद्मिनी' में बुंदेलखंड का आंचलिक परिवेश पूरी तरह से जीवंत हो उठा है।' इस कथन बारे में सोदाहरण अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

7. इस उपन्यास की भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं को उदाहरण देकर प्रस्तुत कीजिए।

8. उपन्यास में संवाद योजना के महत्व के बारे में आप क्या समझते हैं? इस उपन्यास से उदाहरण लेकर प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

9. इस उपन्यास के विकास में कुंजर सिंह के चरित्र की क्या महत्ता है? अपने तर्क प्रकट कीजिए।

10. इस उपन्यास के प्रकृति-चित्रण को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।